# कबाड़-मुक्त संस्थान

दिनों दिन कचरे की समस्या बढ़ती जा रही है। इसका सबूत हम सबने इस बरसात में देखा ही है! लेकिन इसके लिए जो औपचारिक समाधान हैं, वो ना सिर्फ कमजोर हैं, बल्कि उनसे समस्या बढ़ रही है। अभी भी वक्त है उससे निपटने का। जो लोग चिंतित हैं स्वास्थ्य, प्रकृति व समाज के लिए, वे उसकी रक्षा के लिए नेतृत्व करें। तो...

आइए! कचरा–मुक्त संस्थान बनें!

कबाड़–मुक्ति केवल कचरे के बारे में नहीं है, बल्कि हमारे स्वास्थ्य, खान–पान, हवा–पानी, कला आदि के साथ जुड़ा हुआ है। हम देख सकते हैं कि हम कितना पानी इस्तेमाल करते हैं? हम कितना केमिकल खा रहे हैं? हमारे वाहनों से कितना प्रदूषण हो रहा है? ये ना केवल संस्थानों का सवाल है, अपितु परिवार और मोहल्ले का भी है।

उदयपुर को एक कबाड़–मुक्त शहर बनाने के लिए आप आमन्त्रित हैं।
सम्पर्क करें :– विशाल सिंह व शिल्पा जैन, शिक्षान्तर, 21 फतेहपुरा फोन : 2451303

## आप क्या कर सकते हैं :–

– अपने कार्यालय में कचरे की छँटाई तीन भागों में करिये जैसे :–
1 प्राकृतिक कचरा (organic) – पत्ते, सब्जियों–फलों के छिलके, बासी खाना ...।
2 पुनःउपयोगी कचरा (recyclable) – कॉच, लोहा, कागज, गत्ता, आदि।
3 हानिकारक कचरा (toxic) – बैट्री, पोलीथीन, ट्यूबलाइट, बल्ब, केमिकल्स आदि।
– प्राकृतिक कचरे का खाद बनाना या जानवरों को खिलाना।
– पुनः उपयोगी कचरे को कबाड़ी को बेचना या उससे जुगाड़ करना।
– हानिकारक कचरा पैदा करने वाली कम्पनियों पर प्रश्न उठाएँ। हमारे साथ अभियान शुरू करें, ताकि कचरे को ठिकाने लगाने के लिए उन्हें जिम्मेदार ठहरा सकें।
– प्लास्टिक थैलियों व बोतलों के उपयोगों पर पूर्ण रूप से मनाही।
– पाउच संस्कृति को बन्द करें और 'भोगो–फैंको' (use and throw) मानसिकता को बदलें। ऐसी चीजें खरीदें, जो टिकाऊ हो।
– अपने कार्यालय के आस पास कचरे को जलाने, गाड़ने या फैलाने का विरोध करें।
– अपनी खरीददारी के लिए कपड़े की थैली लें व पैकिंग की मनाही करें।
– कागज का दोनों तरफ से उपयोग करें व खास जरूरी काम के लिये ही प्रिंट लें।
– सीडी, फ्लोपी की जगह लोकल नेटवर्क व पेन ड्राइव का उपयोग करें।
– बिजली की खपत कम करें।
– वर्षा जल संग्रहण करें।
– आपके कार्यालय में कबाड़ से जुगाड़ की कार्यशालाएँ आयोजित करें।

# क्या आप कबाड़-मुक्त संस्थान हैं? आइए, अपने आप को नापें!

क्या आपके पास कचरे को छाँटने की व्यवस्था है?

आपका प्राकृतिक कचरा (बायो वेस्ट) कहा जाता है?

क्या कबाड़ी वाले आपके यहाँ से सामान ले जाते हैं?

आप एक दिन में कितना कागज़ इस्तेमाल करते हैं?

कागज का दोनों तरफ से इस्तेमाल होता है या नहीं?

कितनी फ्लोपी, सीडी का इस्तमाल होता है?

बाहर से कितना प्लास्टिक व अन्य पैकेजिंग आता है?

आपके कार्यालय में सबसे ज्यादा कचरा कौनसा पैदा हो रहा है, जिससे आप कोई जुगाड़ करना चाहते हैं?

सम्मेलनों व कार्यक्रमों में क्या–क्या कचरा पैदा होता है?
व आपके पास उनके क्या–क्या विकल्प हैं?

खराब हुई चीजों को ठीक करवाते हैं या नया लाते हैं?

आपके यहाँ प्रतिमाह कितने यूनिट बिजली खर्च होती है?

इस्तेमाल किये गए जल का क्या करते हैं?

क्या आपके यहाँ वर्षा जल संग्रहण सिस्टम लगा है?

आपके पास आने–जाने के क्या साधन हैं? कितने लोग पैदल या साइकिल से आते हैं?